फ़ितना के समय इबादत मेरी ओर हिजरत करने की तरह है।

माक़िल बिन यसार (रज़ियल्लाहु अंहु) कहते हैं कि अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फ़रमायाः "फ़ितना के समय इबादत मेरी ओर हिजरत करने की तरह है।"
[सह़ीह़] [इसे मुस्लिम ने रिवायत किया है।]

इस हदीस में बताया गया है कि जो व्यक्ति फ़ितनों, मारकाट, फ़साद एवं बिगाड़ के स्थानों से दूर रहकर अपने रब की इबादत और उसके नबी -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- की सुन्नत के अनुपालन में लीन रहेगा, उसे उतना ही सवाब मिलेगा, जितना सवाब अल्लाह के नबी -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- की ओर हिजरत करने वाले को मिलता है।

https://sunnah.global/hadeeth/hi/show/5020